Total Pages : 3 Roll. No. : .....

Examination Session June-2022

(Fourth Semester)

MAJY-606

M.A. Jyotish (MAJY)

[होराशास्त्र एवं फलादेश विवेचन - 02]

Time : 2 Hours] **[Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। 2×20=40

1. अरिष्ट से क्या तात्पर्य है ? विभिन्न ग्रहों के अनुसार सोदाहरण अरिष्ट योग का विश्लेषण करें।

2. अरिष्ट के कितने प्रकार हैं ? अरिष्ट के निदान पक्ष का विश्लेषण कीजिए।

3. अरिष्ट भंग योग का वर्णन करते हुए नवग्रहों के वैदिक मंत्र का लेखन करें।

4. पञ्चाङ्ग फल के अंतर्गत नक्षत्र एवं योग फल विचार का उल्लेख करें।

5. लग्नेश से सुखश पर्यंत भावफल का विवेचन करें।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। 4×10=40

1. द्विग्रह एवं त्रिग्रह फल से आप क्या समझते हैं ?

2. सुनफादि योगों के बारे में बताइये।

3. अष्टमेश एवं नवमेश फल विचार लिखें।

4. कारकांश से नवम स्थानगत ग्रहों से भाव विचार लिखें।

5. अप्रकाश ग्रह फल पर विचार व्यक्त करें।

6. ग्रह दृष्टि एवं मित्रामित्र की व्याख्या करें।

7. ज्योतिष शास्त्र में फलादेश की उपादेयता को अपने शब्दों में लिखें।

8. त्रिस्कन्ध ज्योतिष की व्याख्या करें।

****